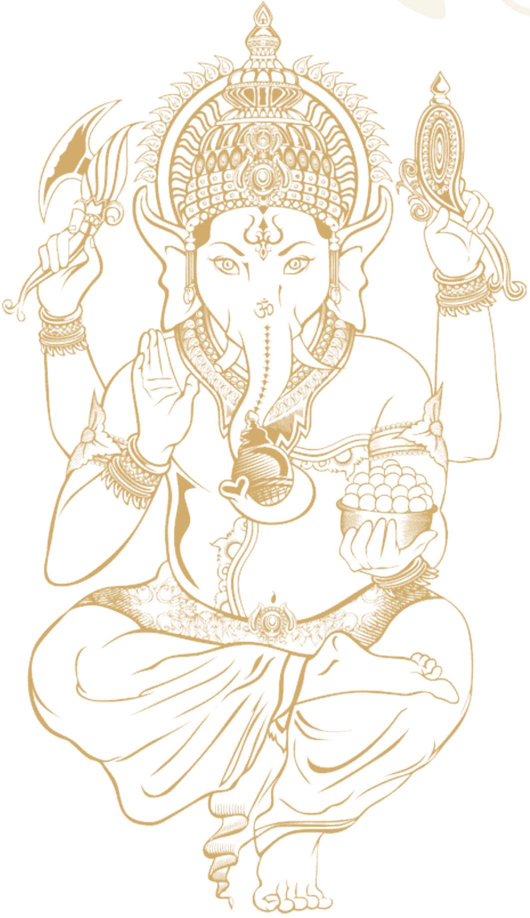

Mr.shubham

Ms.deepika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120020101

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/09/1995	जन्म तिथि	16/03/1996
बुध-गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 05:20:00	जन्म समय	15:03:00 घंटे
घटी 57:48:54	जन्म समय(घटी)	21:10:27 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Delhi
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:26	सूर्योदय	06:29:54
18:31:44	सूर्यास्त	18:30:01
23:47:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:21
सिंह	लग्न	कर्क
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
मेष	राशि	मकर
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	श्रवण
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	4
व्याघात	योग	शिव
तैतिल	करण	तैतिल
लो-लोकेश	जन्म नामाक्षर	खो-खोमनी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
गज	योनि	वानर
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 2वर्ष 4मा 6दि		14:04:55	सिंह	लग्न	कर्क	18:11:15	चन्द्र 1वर्ष 4मा 13दि	
राहु		26:54:39	सिंह	सूर्य	मीन	02:16:37	गुरु	
19/01/2021		25:06:00	मेष	चंद्र	मक	21:30:26	30/07/2022	
19/01/2039		10:39:19	तुला	मंगल	कुंभ	29:45:31	30/07/2038	
राहु	02/10/2023	23:08:16	कन्या	बुध	कुंभ	21:20:46	गुरु	16/09/2024
गुरु	25/02/2026	14:20:12	वृश्चि	गुरु	धनु	20:16:57	शनि	30/03/2027
शनि	01/01/2029	03:26:51	कन्या	शुक्र	मेष	17:30:27	बुध	05/07/2029
बुध	21/07/2031	27:35:19	कुंभ व	शनि	मीन	03:29:38	केतु	11/06/2030
केतु	07/08/2032	03:09:57	तुला	राहु व	कन्या	23:27:03	शुक्र	09/02/2033
शुक्र	08/08/2035	03:09:57	मेष	केतु व	मीन	23:27:03	सूर्य	28/11/2033
सूर्य	02/07/2036	02:56:05	मक व	हर्ष	मक	09:37:56	चन्द्र	30/03/2035
चन्द्र	01/01/2038	29:05:44	धनु व	नेप	मक	03:25:24	मंगल	05/03/2036
मंगल	19/01/2039	04:23:06	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:16:41	राहु	30/07/2038

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:47:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:21

लग्न-चलित

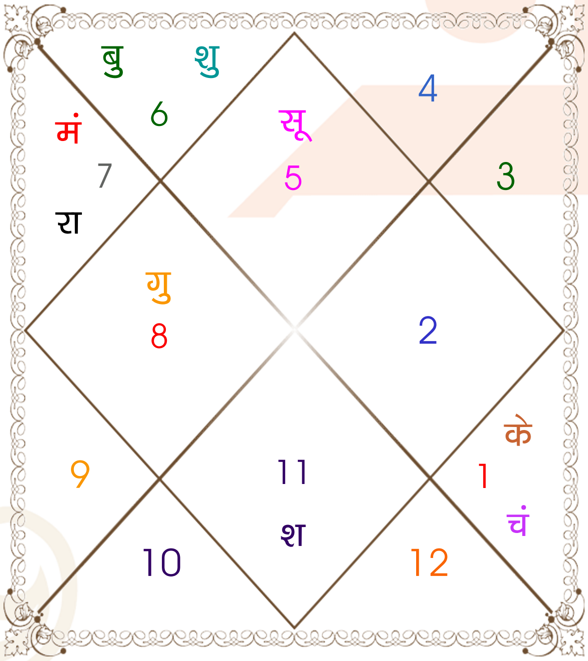

लग्न-चलित

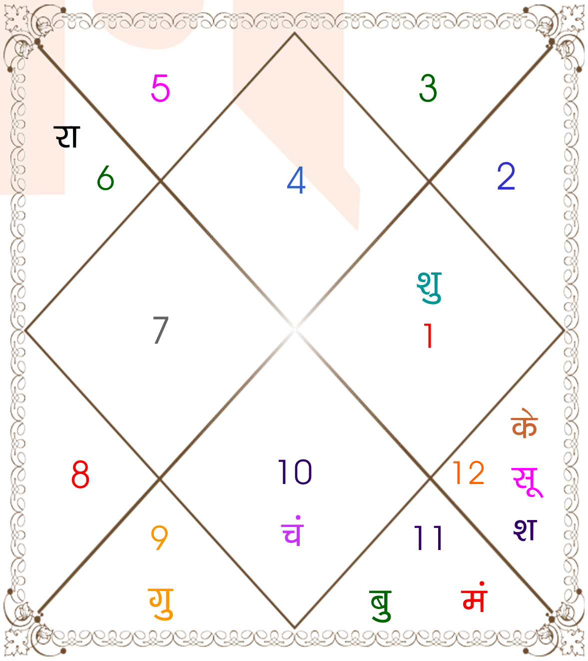

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : 26 / 36

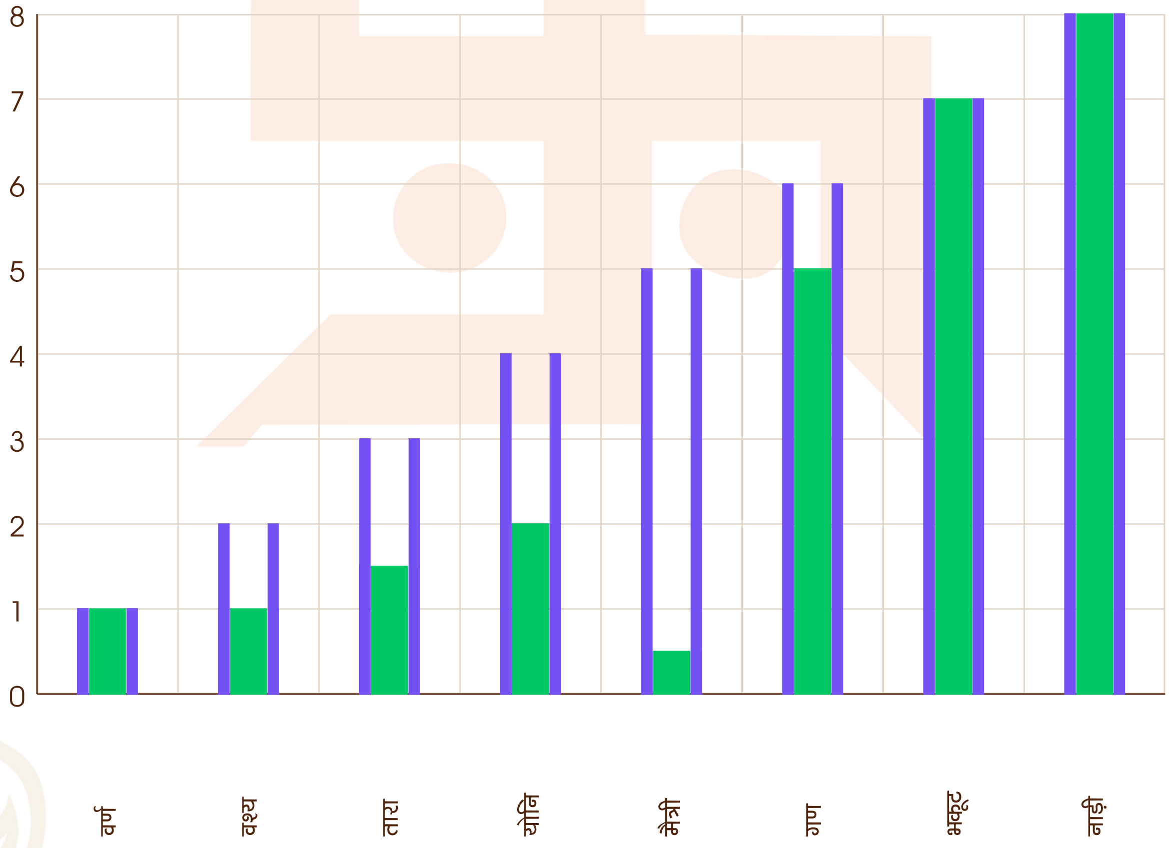

अष्टकूट मिलान

Mr.shubham का वर्ग मृग है तथा Ms.deepika का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.shubham और Ms.deepika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.shubham मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms.deepika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.deepika कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.shubham कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.shubham तथा Ms.deepika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.shubham का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.deepika का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Ms.deepika आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Ms.deepika की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Mr.shubham का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms.deepika का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। Mr.shubham एवं Ms.deepika दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में Mr.shubham एवं Ms.deepika दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr.shubham की तारा मित्र तथा Ms.deepika की तारा विपत है। Ms.deepika की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Mr.shubham एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms.deepika का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Mr.shubham की योनि गज है तथा Ms.deepika की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.shubham का राशि स्वामी Ms.deepika के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.deepika का राशि स्वामी Mr.shubham के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.shubham का गण मनुष्य तथा Ms.deepika का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms.deepika सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Mr.shubham व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Mr.shubham अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Mr.shubham से Ms.deepika की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ms.deepika से Mr.shubham की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.shubham एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Ms.deepika को घर, वाहन, मां का

प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ms.deepika हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Mr.shubham की नाड़ी मध्य है तथा Ms.deepika की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Mr.shubham एवं Ms.deepika के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.shubham की राशि मेष तथा Ms.deepika की राशि मकर है। मेष राशि अग्नि तत्व तथा मकर राशि पृथ्वी तत्व युक्त है। अतः Mr.shubham और Ms.deepika के मध्य पर्याप्त वैचारिक मतभेद होंगे जिससे परस्पर स्नेह एवं अपनत्व के भाव में न्यूनता रहेगी। अतः मिलान परस्पर सामंजस्य से ही उत्तम हो सकता है।

Mr.shubham की राशि का स्वामी मंगल तथा Ms.deepika की राशि का स्वामी शनि है। Ms.deepika की राशि से Mr.shubham का राशि स्वामी सम परन्तु Mr.shubham का स्वामी राशि Ms.deepika की राशि स्वामी का शत्रु है । अतः इसके प्रभाव से Mr.shubham और Ms.deepika दोनों स्वकेंद्रित व्यक्तित्व होंगे तथा अपने परिश्रम योग्यता एवं प्रयासों से कार्यो को सिद्ध करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आर्थिक मामलों में यदा कदा मतभेदों की भी संभावना रहेगी अतः असहमतियों में न्यूनता करके ही इनका मिलान उत्तम हो सकता है।

Mr.shubham की राशि Ms.deepika की राशि से चतुर्थ तथा Ms.deepika की राशि Mr.shubham की राशि से दशम भाव में है। अतः यह शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से इनके उपरोक्त वैचारिक मतभेदों तथा अन्यत्र अंतर होते हुए भी संबधों में मधुरता का भाव उत्पन्न हो सकता है। इस मामले में Ms.deepika की सक्रियता सकारात्मक फल प्रदान करेगी तथा परस्पर स्नेह के भाव में वृद्धि होगी।

Mr.shubham का वश्य चतुष्पद तथा Ms.deepika का वश्य जलचर है। अतः इन स्वाभाविक अभिरूचियां समान रहेंगी तथा परस्पर एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे। यद्यपि यदा कदा Mr.shubham के कारण इसमें किंचित न्यूनता आ सकती है लेकिन सामान्यतया शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक रूप से आप एक दूसरे को सन्तुष्ट रखेंगे तथा सुख के क्षणों की भी प्राप्ति होगी।

Mr.shubham का वर्ण क्षत्रिय है तथा Ms.deepika का वर्ण वैश्य है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में विभिन्नता रहेगी। जहां Mr.shubham साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को सम्पन्न करेंगी वहीं Ms.deepika धनार्जन के प्रति विशेष रूचिशील रहेंगी तथा व्यावहारिक दृष्टि से अपने अधिकांश कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

Mr.shubham और Ms.deepika दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.shubham की नाड़ी मध्य तथा Ms.deepika की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से Mr.shubham का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए Mr.shubham को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.shubham और Ms.deepika का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.shubham और Ms.deepika के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.deepika के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.deepika को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.deepika को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.shubham और Ms.deepika सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.shubham और Ms.deepika का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.deepika के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms.deepika अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का

भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms.deepika पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms.deepika अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr.shubham के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr.shubham अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr.shubham के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.shubham के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।